

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अधिशाली निदेशक,  
आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र,  
सचिवालय परिसर, देहरादून।

आपदा प्रबन्धन अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 16 फरवरी, 2016

विषय:— वित्तीय वर्ष 2016-17 में ए.डी.बी. सहायतित परियोजना के अंतर्गत पुनर्विनियोग के माध्यम से धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कार्यक्रम निदेशक, यू.ई.पी., उत्तराखण्ड के पत्र संख्या-PMU/UEAP/2017-17/234, दिनांक 10.02.2017 के क्रम में लेखाशीर्षक-2245 के उप लेखाशीर्षक-9703-सड़क एवं सेतु (ए.डी.बी. सहायतित) हेतु उक्त मद में धनराशि अवशेष न होने के कारण लेखाशीर्षक-2245 के उप लेखाशीर्षक-9703-शहरी विकास, 9706-पर्यटन एवं 9707-तकनीकी सहायता आदि हेतु प्रकीर्ण व्यय मद में उपलब्ध बजट व्यवस्था की अवशेष धनराशि क्रमशः ₹ 36.67 करोड़ में से ₹ 30.00 करोड़, ₹ 80.00 करोड़ में से ₹ 50.00 करोड़, एवं ₹ 15.00 करोड़ में से ₹ 12.00 करोड़, इस प्रकार कुल ₹ 92.00 करोड़ की धनराशि पुनर्विनियोग के माध्यम से अवमुक्त किये जाने का प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड राज्य में माह जून व जुलाई, 2013 में बाढ़, भूस्खलन व बादल फटने आदि से हुई क्षतियों के दृष्टिगत राज्य में पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण से सम्बन्धित ए.डी.बी. सहायतित परियोजनाओं के अंतर्गत उत्तराखण्ड इमरजेन्सी असिस्टेन्स प्रोजेक्ट (यू.ई.पी.) के अंतर्गत लेखाशीर्षक-2245 के उप लेखाशीर्षक-9703-सड़क एवं सेतु (ए.डी.बी. सहायतित) हेतु उक्त मद में धनराशि अवशेष न होने के कारण लेखाशीर्षक-2245 के उप लेखाशीर्षक-9703-शहरी विकास, 9706-पर्यटन एवं 9707-तकनीकी सहायता आदि हेतु प्रकीर्ण व्यय मद में उपलब्ध बजट व्यवस्था की अवशेष धनराशि क्रमशः ₹ 36.67 करोड़ में से ₹ 30.00 करोड़, ₹ 80.00 करोड़ में से ₹ 50.00 करोड़, एवं ₹ 15.00 करोड़ में से ₹ 12.00 करोड़, इस प्रकार कुल ₹ 92.00 करोड़ (₹ बयानबे करोड़ मात्र) की धनराशि पुनर्विनियोग के माध्यम से जैसा कि संलग्न (बी0एम0-09) में उल्लिखित है, को वित्त नियंत्रक, पी.एम.यू./उत्तराखण्ड इमरजेन्सी असिस्टेन्स प्रोजेक्ट (यू.ई.पी.) देहरादून के नाम से साइबर ट्रेजरी देहरादून में खुले पी.एल.ए.-8443-800-सिविल डिपॉजिट अन्य जमा में जमा कराये जाने हेतु कार्यक्रम निदेशक, (ए.डी.बी. सहायतित) उत्तराखण्ड को उपलब्ध कराये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1) स्वीकृत धनराशि का उपयोग उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिस प्रयोजन हेतु धनराशि स्वीकृत की गई है।
- 2) उपरोक्त धनराशि का व्यय भारत सरकार तथा ए0डी0बी0 के साथ सम्पन्न त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (MOU) के अनुसार किया जायेगा।
- 3) स्वीकृति के सापेक्ष व्यय/समर्पित धनराशि का लेखा मिलान संबंधित कार्यक्रम निदेशक, पी0एम0यू0 द्वारा महालेखाकार कार्यालय, उत्तराखण्ड, देहरादून में निश्चित रूप से प्रत्येक तीन माह में सुनिश्चित कराया जायेगा।
- 4) पी0एल0ए0 खाते में जमा धनराशि तथा उसमें से किये जाने वाले व्यय से सम्बन्धित धनराशि के लेखों का रख-रखाव तथा इसके आडिट का पूर्ण उत्तरदायित्व कार्यक्रम निदेशक, पी0एम0यू0

उत्तराखण्ड डिजास्टर रिकवरी प्रोजेक्ट (यू0डी0आर0पी0)/उत्तराखण्ड इमरजेन्सी असिस्टेन्स प्रोजेक्ट (यू0ई0ए0पी0), (विश्व बैंक/ए0डी0बी0 सहायतित), उत्तराखण्ड का होगा।

- 5) पी0एल0ए0 खाते में जमा धनराशि में से परियोजनाओं की आवश्यकतानुसार ही धनराशि का आहरण किया जायेगा तथा उसका पूर्ण औचित्य स्थापित करने की जिम्मेदारी कार्यक्रम निदेशक, पी0एम0यू0 उत्तराखण्ड डिजास्टर रिकवरी प्रोजेक्ट (यू.डी.आर.पी.)/उत्तराखण्ड इमरजेन्सी असिस्टेन्स प्रोजेक्ट (यू.ई.ए.पी.), (विश्व बैंक/ए.डी.बी. सहायतित), उत्तराखण्ड की होगी।
- 6) वित्तीय वर्ष के अन्त में अवशेष धनराशि शासन को समर्पित कर दी जायेगी तथा सम्पूर्ण परियोजनाओं पर व्यय की गयी धनराशि के सम्बन्ध में उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप में शासन व वित्त विभाग व नियोजन विभाग को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 7) शासन द्वारा समय-समय पर जारी वित्तीय नियमों एवं निर्देशों तथा मितव्ययता सम्बन्धी आदेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा किसी भी दशा में बिना औचित्य के धनराशि का आहरण नहीं किया जायेगा।
- 8) उक्त धनराशि के प्रतिपूर्ति की व्यवस्था भी समय से सुनिश्चित कर ली जायेगी।
- 9) स्वीकृत धनराशि का उपयोग किसी नये व्यय के लिये नहीं किया जायेगा।

2- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-6 के अंतर्गत लेखाशीर्षक 2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-97-बाह्य सहायतित योजनायें (आपदा 2013)-9705-शहरी विकास, 9706-पर्यटन एवं 9707-तकनीकी सहायता आदि हेतु प्रकीर्ण व्यय (ए0डी0बी0 सहायतित)-24-वृहत् निर्माण कार्य (आयोजनागत) के नामें डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-847/XXVII(1)/2016, दिनांक 26 जुलाई, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(अमित सिंह नेगी)  
सचिव

संख्या-221 (1)/XVIII-(2)/2017-03(06)/2014 T.C. तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
- 3- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- कार्यक्रम निदेशक, पी.एम.यू. उत्तराखण्ड डिजास्टर रिकवरी प्रोजेक्ट (यू.डी.आर.पी.), (विश्व बैंक सहायतित)/उत्तराखण्ड इमरजेन्सी असिस्टेन्स प्रोजेक्ट (यू.ई.ए.पी.), उत्तराखण्ड।
- 6- वित्त नियंत्रक, उत्तराखण्ड डिजास्टर रिकवरी प्रोजेक्ट (यू0डी0आर0पी0), (विश्व बैंक सहायतित)/उत्तराखण्ड इमरजेन्सी असिस्टेन्स प्रोजेक्ट (यू.ई.ए.पी.), उत्तराखण्ड।
- 7- वित्त अनुभाग-05, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- वरिष्ठ कोषाधिकारी, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
- 9- निदेशक, कोषागार, 23, लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
- 10- निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 11- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(प्रदीप कुमार शुक्ल)  
अनु सचिव